बाल भारती पब्लिक स्कूल, पीतमपुरा

कक्षा - ३ (१/१२/२०२० - ४/१२/२०२०)

विषय-जानकारी उपविषय - क्या सीखा आपने

शिक्षण अधिगम :-

- प्रत्येक छात्र पाठ का शुद्ध उच्चारण द्वारा पठन करना सीख सकेगा।
- छात्र विद्यालय के नियमों को भी बता सकेगा।
- प्रत्येक छात्र यातायात के नियमों की जानकारी प्राप्त कर सकेगा।

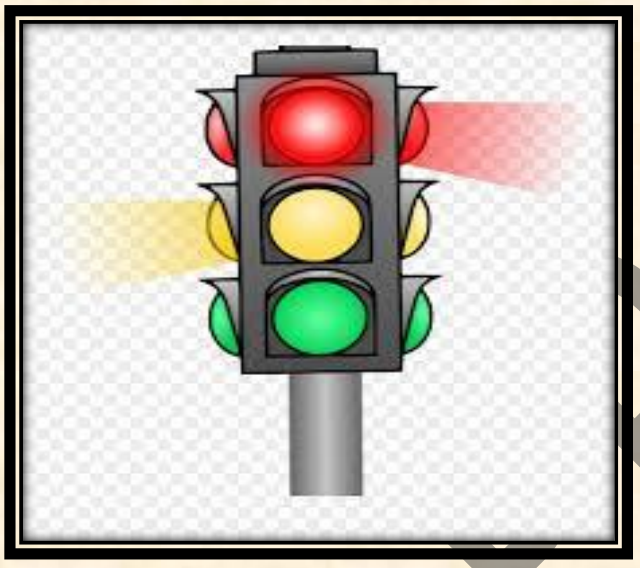

पाठ का सार :-

इस पाठ में सड़क यातायात के नियमों की जानकारी दी गई है। विद्यालय में नोटिस बोर्ड पर बच्चों को सूचना दी गई थी कि यातायात नियंत्रक अधिकारी आकर सड़क के सुरक्षा नियमों की जानकारी देंगे। अगले दिन ऑडिटोरियम में अधिकारी ने यातायात के नियमों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि लाल-बत्ती रुकने का, पीली बत्ती रुकने की तैयारी का और हरी बत्ती चलने का संकेत करती है। पैदल यात्रियों के चलने के लिए फुटपाथ बनाए जाते हैं। उन्होंने बताया कि ज़ेबरा क्रासिंग से सड़क पार करनी चाहिए। हमेशा दाएँ-बाएँ देखकर ही सड़क पार करनी चाहिए। कार में सीट-बेल्ट लगाकर रखना चाहिए। दो पहिया वाहन ; जैसे साइकिल, स्कूटर चलाते समय हेलमेट पहनना चाहिए। साइकिल चलाते समय जूते पहनना चाहिए। अधिकारी ने कुछ यातायात संकेत जैसे - सड़क पार न करें, हॉर्न न बजाएँ, दाएँ मुड़ें, बाएँ मुड़ें आदि की जानकारी भी दी। साथ ही कुछ संकेत अध्यापिका की सहायता से हल करने को कहकर अपनी ड्यूटी पर चले गए।

विषय संवर्धन गतिविधियाँ

- ट्रैफिक नियमों की तरह सूचना बोर्ड पर अपने घर के नियम लिखकर सबको अवगत कराएँ।

-ट्रैफिक पुलिस घंटों सड़क पर हमारी सेवा के लिए खड़ी रहती है और प्रदूषण भरी हवा में सांस लेने के लिए मजबूर है। आप उनकी सहायता कैसे करेंगे, इस विषय पर चर्चा की जाएगी।

अब आपकी बारी :

नवीन शब्द

डयूटी

उत्साह

धन्यवाद

ध्यान

स्मार्ट-बोर्ड

नियम

सुरक्षा

नियंत्रक

नवीन शब्द

यातायात

निर्देश

बत्तियाँ

अधिकारी

ऑडिटोरियम

साइकिल

सावधान

संकेत

RSPP

11 क्या सीखा आपने

पाठ-प्रवेश

- बच्चो, सड़क पर चलने के बहुत सारे नियम होते हैं। इन नियमों का पालन करना हमारे लिए अ होता है क्योंकि इससे हम सुरक्षित रहते हैं।
- तो आइए, इस पाठ में सड़क के सुरक्षा नियमों के बारे में जानते हैं।

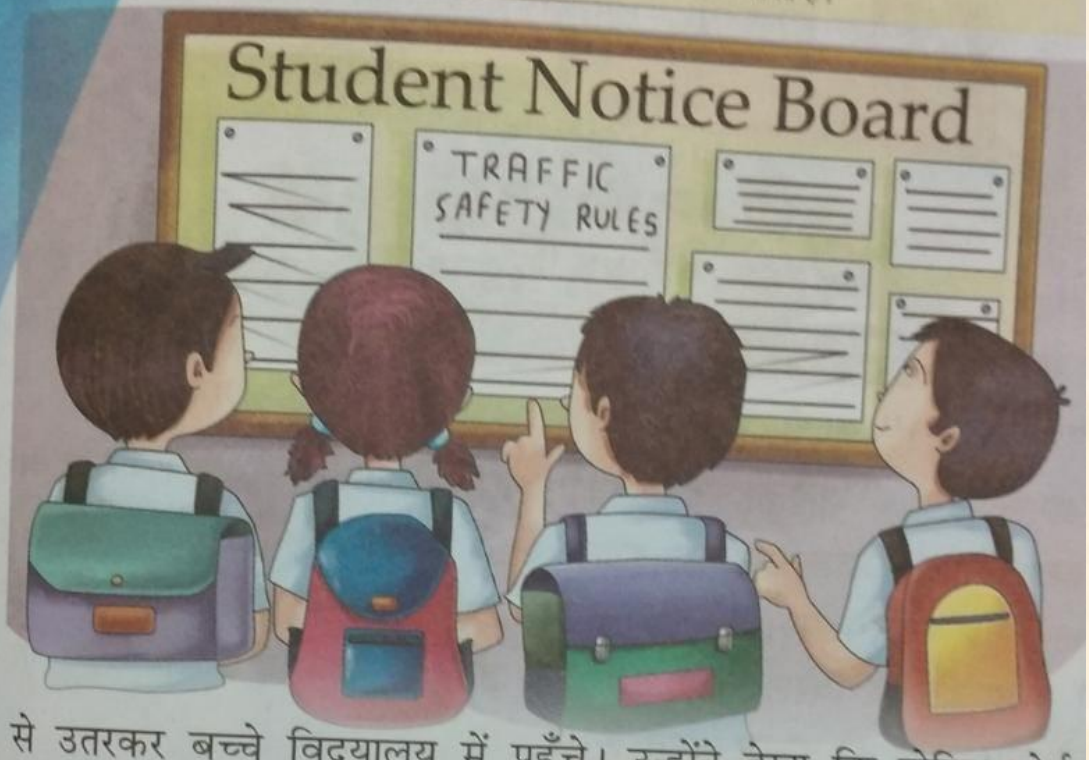

बस से उतरकर बच्चे विद्यालय में पहुँचे। उन्होंने देखा कि नोटिस बोर्ड सूचना लिखी है— कल दिनांक 14-07-20×× को सड़क के सुरक्षा नियमों जानकारी देने के लिए यातायात नियंत्रक अधिकारी आएँगे। सबके मन में कु सवाल थे, जिन्हें लेकर वे अपनी कक्षा में पहुँचे। अध्यापिका जी के आते सब अपने-अपने प्रश्न पूछने लगे। अध्यापिका जी ने बच्चो को शांत किया, फि उन्हें समझाते हुए कहा— "जब हम सड़क पर चलते हैं तो हमें किन बा का ध्यान रखना चाहिए, वे इसकी जानकारी देने के लिए आ रहे हैं। कल स उनकी बात ध्यान से सुनना।"

"जी मैडम!" बच्चों ने हामी भरी।

अगले दिन अध्यापिका जी सबको ऑडिटोरियम में ले गईं। थोड़ी देर बाद अधिकारी आए। अध्यापिका के इशारा करते ही सब अपनी जगह पर खड़े हो गए— "गुड मॉर्निंग सर!" "गुड मॉर्निंग बच्चो!" हँसते हुए अधिकारी ने कहा तभी कक्षा दो का विरल बोल उठा "ये तो वही अंकल हैं जो बत्ती पर हमें रुकने और जाने का इशारा करते हैं।"

"हाँ, बेटा मैं वही हूँ। अच्छा आपको पता है मैं ऐसा क्यों करता हूँ?" अधिकारी ने पूछा। "जिससे हमारी गाड़ियाँ आपस में न टकराएँ।" कक्षा चार की वैशाली ने खड़े होकर कहा।

"बिलकुल सही! अच्छा अब बताओ। सड़क पर लगी तीन बत्तियों में कौन-कौन से रंग होते हैं?"

बच्चों के लिए यह प्रश्न बहुत सरल था। सभी एक साथ बोले— "लाल, पीला और हरा।"

"ये बत्तियाँ हमें क्या बताती हैं?"

मुदिता– "लाल बत्ती रुकने को, पीली बत्ती रुकने की तैयारी को और हरी बत्ती चलने को कहती है।"

बच्चों से मिल रहे जवाब सुनकर अधिकारी बहुत खुश थे। उन्होंने कहा– "शाबाश बच्चो! अब मैं सड़क सुरक्षा के बारे में बताता हूँ। सुनो–हमें सड़क पर सावधानी के साथ चलना चाहिए। सड़क पर चलते समय फुटपाथ का उपयोग करना चाहिए। यदि फुटपाथ न हो तो सड़क के दाहिनी ओर चलना चाहिए, ताकि सामने से आनेवाले वाहनों से बचा जा सके। ज़ेबरा क्रॉसिंग से सड़क पार करनी चाहिए।" शुभ ने हाथ खड़ा करके पूछा– "सर, ज़ेबरा क्रॉसिंग क्या है?" उसकी बात सुनकर दूसरे बच्चे आपस में ही बताने लगे। अध्यापिका ने सबको शांत करवाया। अधिकारी ने बताना शुरू किया, "सड़क पर बनी सफ़ेद

और काली धारीवाली पट्टियों को ज़ेबरा क्रॉसिंग कहते हैं। इसके ऊपर से पैदल यात्री सड़क पार करते हैं। आप जैसे बच्चों के लिए विशेष निर्देश ये हैं कि पैदल चलते समय जब भी सड़क पार करना दाएँ-बाएँ देखकर और हरी बत्ती होने पर ही करना। सड़क पर दौड़ नहीं लगाना। कार में सीट बेल्ट लगाकर बैठना चाहिए। हाथ या सिर कार से बाहर नहीं निकालना चाहिए। साइकिल चलाते समय हेलमेट पहनना और मुड़ते समय हाथ से मुड़नेवाली दिशा में संकेत करना। कोशिश करना कि साइकिल चलाते समय नंगे पैर अथवा चप्पल की बजाय जूते पहनना।" बच्चों को ये बातें काम की लगीं इसलिए उन्होंने ज़ोर से कहा, "जी सर, हम ध्यान रखेंगे।" अधिकारी ने आगे जानकारी दी— "अच्छा, तो अब बोर्ड पर देखो और बताओ कि आपने ये संकेत कहाँ देखे हैं?"

बटन दबाते ही स्मार्ट बोर्ड पर कुछ संकेत उभर आए—

बच्चे एक साथ बोले, "हाँ, स्कूल आते समय हमें ये संकेत दिखते हैं।"

अधिकारी ने इन सभी चिह्नों का अर्थ बतलाया। वे बच्चों का उत्साह देखकर उन्हें और जानकारी भी देना चाहते थे लेकिन उनकी ड्यूटी का समय होनेवाला था इसलिए उन्होंने अपनी बात वहीं रोक दी। बच्चों ने खुश होकर उन्हें धन्यवाद दिया और कहा, "हम सभी सड़क सुरक्षा नियमों का पालन ज़रूर करेंगे।" अधिकारी ने फिर आने का वादा भी किया। उन्होंने जाते समय स्मार्ट

बोर्ड का बटन फिर से दबाया तो कुछ संकेत फिर उभर आए। उन्होंने कहा, "मेरे जाने के बाद अपनी अध्यापिका की सहायता से इन्हें हल ज़रूर करना।"

.....

.....

.....

बच्चो, क्या आपने अपनी अध्यापिका की सहायता से इन्हें हल किया?

माइंड मैप

क्या सीखा आपने

1. यातायात नियमों की जानकारी किसने दी?
   - यातायात नियंत्रक अधिकारी ने दी।

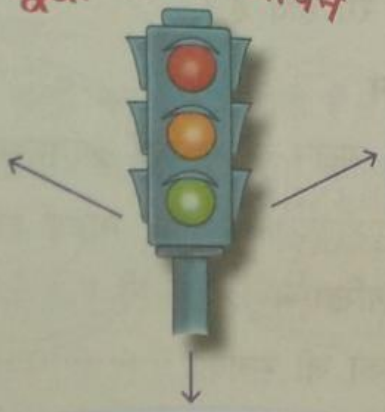

2. कौन-सी बत्ती क्या बताती है?
   - लाल बत्ती—रुकना
   - पीली बत्ती—रुकने की तैयारी
   - हरी बत्ती—चलना

3. क्या ध्यान रखें?

पैदल चलते समय
- फुटपाथ का प्रयोग करें।
- दाएँ-बाएँ देखकर सड़क पार करें।
- ज़ेबरा क्रॉसिंग से सड़क पार करें।

साइकिल चलाते समय
- हेलमेट पहनें।
- मुड़ते समय संकेत दें।
- चप्पल की जगह जूते पहनें।